परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड ने नई संस्थाओं के लिए किया संगोष्ठी काआयोजन

मुंबई , यशभारत। परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड ने भारतीय ऊर्जा मंच (आईईएफ) और भारतीय परमाणु सोसाइटी (आईएनएस) के साथ संयुक्त रूप से एक विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया द्य ताकि परमाणु क्षेत्र में प्रवेश करने वाली नई संस्थाओं के लिए परमाणु ऊर्जा संयंत्रों में सुरक्षा संस्कृति के महत्व पर जागरूकता पैदा की जा सके। यह संगोष्ठी मुंबई में हाइब्रिड मोड में आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में सौ से अधिक प्रतिभागियों ने व्यक्तिगत रूप से भाग लिया और कई उद्योग पेशेवर ऑनलाइन जुड़े।

एईआरबी के अध्यक्ष ने %सुरक्षा संस्कृति का विकास, उसे बनाए रखना और उसे मजबूत बनाना% विषय पर एक व्याख्यान दिया द्य जिसमें परमाणु ऊर्जा संयंत्रों में एक मजबूत सुरक्षा संस्कृति को विकसित करने के महत्व पर प्रकाश डाला गया। अपने व्याख्यान में, उन्होंने मजबूत नेतृत्व और मानवीय एवं संगठनात्मक कारकों पर सर्वोच्च ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया, जो सुरक्षा संस्कृति के आधार हैं। इस मौके पर डॉ. आर. बी. ग्रोवर, अध्यक्ष, परमाणु समूह, भारतीय ऊर्जा मंच, आर.वी. शाही,अध्यक्ष, भारतीय ऊर्जा मंच, और वी.के. मनचंदा, अध्यक्ष, भारतीय परमाणु सोसायटी ने अपने संबोधन में संगोष्ठी की प्रासंगिकता और उपयुक्त समय पर टिप्पणी की और परमाणु ऊर्जा से योगदान में कई गुना वृद्धि की उम्मीद जताई। डॉ. अनिल काकोडकर, कुलपति, एचबीएनआई और सदस्य, परमाणु ऊर्जा आयोग ने समापन भाषण में उद्योग के पेशेवरों तक पहुँचने के लिए एईआरबी की पहल की सराहना की और कहा कि कार्यस्थल पर सुरक्षा का पालन करने में व्यक्तिगत विश्वास और मूल्यों को विकसित करके सुरक्षा संस्कृति को बढ़ावा दिया जा सकता है।